रक्षा लेखा नियंत्रक का कार्यालय, उदयन विहार, नारंगी, गुवाहाटी-781171
OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS
UDAYAN VIHAR, NARANGI, GUWAHATI- 781171
फ़ैक्स/Fax:0361-2640204 फोन/Ph: 0361-2640394, 2641142
e-mail: cda-guw@nic.in

रक्षा लेखा नियंत्रक गुवाहाटी वैबसाइट के माध्यम से
(Through CDA Guwahati Website)

सं. प्रशा./हि.क./97/हि. पख./जि.-5 दिनांक : 19.10.2022

सेवा में

प्रभारी अधिकारी

1. मुख्य कार्यालय के सभी अनुभाग
2. समस्त अधीनस्थ कार्यालय

विषय - हिंदी दिवस- 2022 के अवसर पर माननीय रक्षा मंत्री का संदेश।

संदर्भ - र॰ले॰वि॰ मुख्यालय, दिल्ली छावनी के दिनांक 18/10/2022 का पत्र सं. 0746/ हि.क./ हि.प./मु.का.2022

रक्षा लेखा विभाग मुख्यालय, दिल्ली छावनी के उपरोक्त संदर्भित पत्र के अंतर्गत प्राप्त रक्षा मंत्रालय के दिनांक 06/10/2022 के संख्या 8(2)/2022-निदेशक (राजभाषा) के साथ संलग्न माननीय रक्षा मंत्री के संदेश की प्रति प्रेरणार्थ परिचालित की जाती है ।

कृपया पावती सूचना दें ।

संलग्नक : यथोपरि ।

(आर॰के॰ चक्रवर्ती)
सहा॰ निदेशक (रा॰भा॰)

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. रक्षा लेखा विभाग मुख्यालय
   उलान बटार मार्ग, पालम
   दिल्ली छावनी - 110010 - आपके उपरोक्त पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ ।
2. प्रभारी अधिकारी, सू.प्रौ. व सॉ. स्कन्ध [IT &SW (local)] - र.ले.नि. गुवाहाटी वैबसाइट में अपलोड करने हेतु।

(आर॰के॰ चक्रवर्ती)
सहा॰ निदेशक (रा॰भा॰)

रक्षा लेखा नियंत्रक का कार्यालय, उदयन विहार, नारंगी, गुवाहाटी-781171
OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS
UDAYAN VIHAR, NARANGI, GUWAHATI- 781171
फ़ैक्स/Fax:0361-2640204 फोन/Ph: 0361-2640394, 2641142
e-mail: cda-guw@nic.in

रक्षा लेखा नियंत्रक गुवाहाटी वैबसाइट के माध्यम से
(Through CDA Guwahati Website)

सं. प्रशा./हि.क./97/हि. पख./जि.-5 दिनांक : 19.10.2022

सेवा में

प्रभारी अधिकारी

1. मुख्य कार्यालय के सभी अनुभाग
2. समस्त अधीनस्थ कार्यालय

विषय - हिंदी दिवस- 2022 के अवसर पर माननीय रक्षा मंत्री का संदेश।

संदर्भ - र॰ले॰वि॰ मुख्यालय, दिल्ली छावनी के दिनांक 18/10/2022 का पत्र सं. 0746/ हि.क./ हि.प./मु.का.2022

रक्षा लेखा विभाग मुख्यालय, दिल्ली छावनी के उपरोक्त संदर्भित पत्र के अंतर्गत प्राप्त रक्षा मंत्रालय के दिनांक 06/10/2022 के संख्या 8(2)/2022-निदेशक (राजभाषा) के साथ संलग्न माननीय रक्षा मंत्री के संदेश की प्रति प्रेरणार्थ परिचालित की जाती है ।

कृपया पावती सूचना दें ।

संलग्नक : यथोपरि ।

(आर॰के॰ चक्रवर्ती)
सहा॰ निदेशक (रा॰भा॰)

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. रक्षा लेखा विभाग मुख्यालय
   उलान बटार मार्ग, पालम - आपके उपरोक्त पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ ।
   दिल्ली छावनी - 110010
2. प्रभारी अधिकारी, सू.प्रौ. व सॉ. स्कन्ध - र.ले.नि. गुवाहाटी वैबसाइट मैं अपलोड करने हेतु।
   [IT &SW (local)]

—Exx/sd—
(आर॰के॰ चक्रवर्ती)
सहा॰ निदेशक (रा॰भा॰)

सं. 8(2)/2022-निदेशक(राजभाषा)

रक्षा मंत्रालय

(राजभाषा प्रभाग)

*****

सेना भवन, नई दिल्ली

दिनांकः 06 अक्तूबर, 2022

विषय:हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय रक्षा मंत्री महोदय का संदेश जारी करना।

मुझे एतद्द्वारा हिंदी दिवस (14 सितम्बर, 2022) के अवसर पर माननीय रक्षा मंत्री महोदय का संदेश भेजने का निदेश हुआ है। यह संदेश हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया था। कृपया इसे अपने मुख्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों/यूनिटों आदि में आवश्यक कार्रवाई के लिए परिचालित करें।

(नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी)

सहायक निदेशक (राजभाषा)

दूरभाषः 23019375

संलग्नकः यथोपरि।

सेवा में,

रक्षा मंत्रालय सहित मंत्रालय के सभी अंतर सेवा संगठन और सभी सेना मुख्यालय।

644
17/10/22

राजनाथ सिंह
RAJNATH SINGH

सत्यमेव जयते

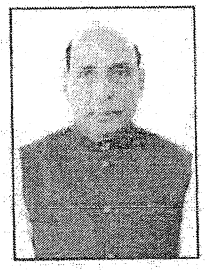

रक्षा मंत्री
भारत
DEFENCE MINISTER
INDIA

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत एक बहुभाषी देश है जहाँ विभिन्न राज्यों में अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। हमारी सभी भाषाएं और बोलियां हमारी धरोहर हैं और इन्हें बढ़ावा देना हर भारतीय का कर्तव्य है। किसी भी देश की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में उस देश की भाषा का अहम योगदान होता है। कोई भी भाषा या बोली सिर्फ विचारों की वाहिका ही नहीं होती, अपितु राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता व संस्कारों के निर्माण का महत्वपूर्ण साधन भी होती है।

हिंदी का विकास देश की क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ हुआ है। देश की सभी भाषाओं में भारतीय संस्कृति की सजीव झलक परिलक्षित होती है। हिंदी सहित अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाएं देशवासियों को विरासत में मिली हैं। देश में बोली जाने वाली भिन्न-भिन्न भाषाएं तथा उनका सांस्कृतिक वैभव एक ओर जहां देश की पहचान है, वहीं दूसरी ओर सभी भाषाओं का गौरवशाली इतिहास और समृद्धि साहित्य है। किंतु पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम हिंदी ने सफलतापूर्वक किया है।

भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है। हिंदी की विशेषताओं और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान सभा ने आपसी सहमति से हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा हिंदी संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को 14 सितम्बर, 1949 को अंगीकार किया। इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

उल्लेखनीय है कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में जन-भागीदारी के माध्यम से मनाया जा रहा है। इस अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर हिंदी दिवस का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि हिंदी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बोली जाने वाली लोकप्रिय भाषा थी।

इस वर्ष भी रक्षा मंत्रालय एवं सभी संगठनों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। मैं, रक्षा मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपना अधिक-से-अधिक सरकारी काम-काज राजभाषा हिंदी में करते हुए संवैधानिक अपेक्षा का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा आजादी के अमृत महोत्सव को सफल बनाने में भरपूर योगदान प्रदान करें।

"जय हिंद"

13.09.22

(राजनाथ सिंह)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 13 सितम्बर, 2022

Office : Room No. 104, Ministry of Defence, South Block, New Delhi-110011
Tel. : +91 11 23012286, +91 11 23019030, Fax : +91 11 23015403
E-mail : rmo@mod.nic.in